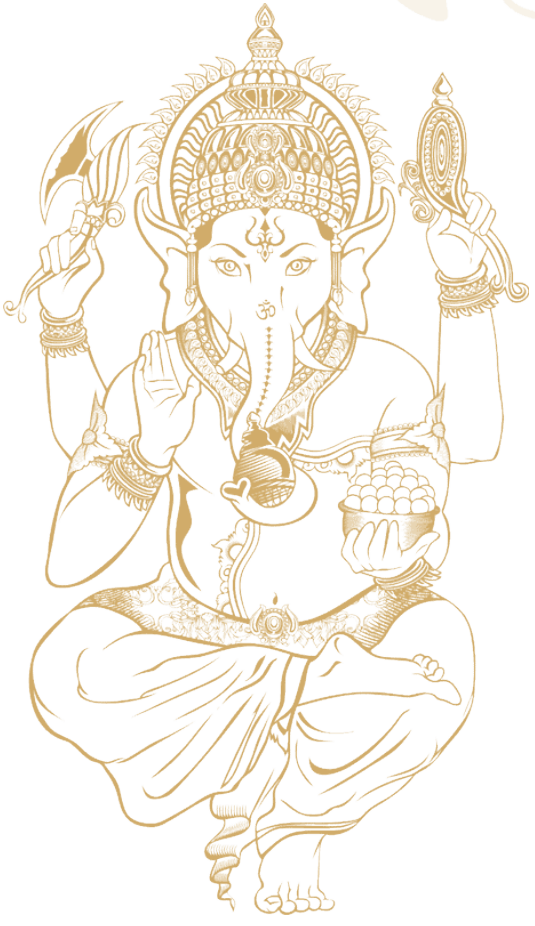

GAURAV TIWARI

12 Jun 1982

08:21 PM

Dahod

Model: web-freekundliweb

Order No: 121280004

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**12/06/1982**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**20:21:00 घंटे**
इष्ट	36:09:06 घटी
स्थान	**Dahod**
राज्य	Gujarat
देश	India

अक्षांश	23:03:00 उत्तर
रेखांश	72:40:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:39:20 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	19:41:40 घंटे
वेलान्तर	00:00:19 घंटे
साम्पातिक काल	13:04:06 घंटे
सूर्योदय	05:53:21 घंटे
सूर्यास्त	19:24:53 घंटे
दिनमान	13:31:32 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	27:41:49 वृष
लग्न के अंश	11:22:57 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**धनिष्ठा - 3**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	विष्कुम्भ
करण	गर
गण	राक्षस
योनि	सिंह
नाड़ी	मध्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	गू-गूजरमल
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	11:22:57	337:54:29	मूल	4	19	गुरु	केतु	शनि	---
सूर्य			वृष	27:41:49	00:57:20	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	गुरु	शत्रु राशि
चंद्र			कुंभ	02:51:53	12:16:01	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	शुक्र	सम राशि
मंगल			कन्या	12:20:45	00:19:14	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	राहु	शत्रु राशि
बुध	व	अ	वृष	13:04:40	00:05:58	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	राहु	मित्र राशि
गुरु	व		तुला	07:10:27	00:02:43	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	शत्रु राशि
शुक्र			मेष	21:13:32	01:10:15	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	सम राशि
शनि	व		कन्या	21:55:08	00:00:35	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	मित्र राशि
राहु			मिथु	19:51:24	00:01:39	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	मंगल	उच्च राशि
केतु			धनु	19:51:24	00:01:39	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	उच्च राशि
हर्ष	व		वृश्चि	08:13:31	00:02:18	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	---
नेप	व		धनु	02:11:06	00:01:37	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	---
प्लूटो	व		तुला	00:38:30	00:00:43	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	---
दशम भाव			कन्या	23:46:19	--	चित्रा	--	14	बुध	मंगल	मंगल	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:36:26

लग्न-चलित

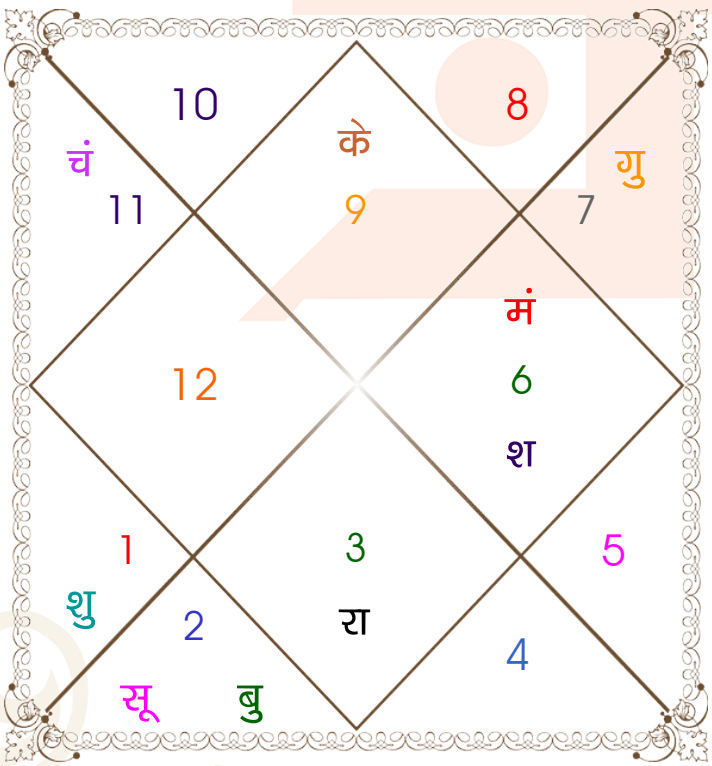

चन्द्र कुंडली

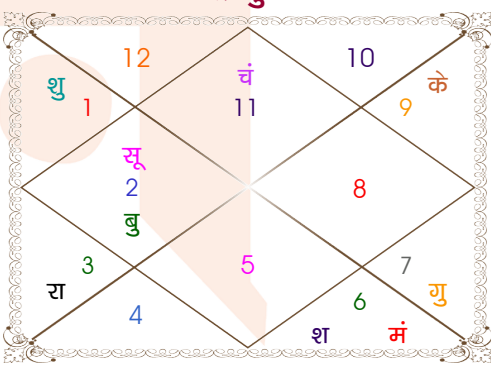

नवमांश कुंडली

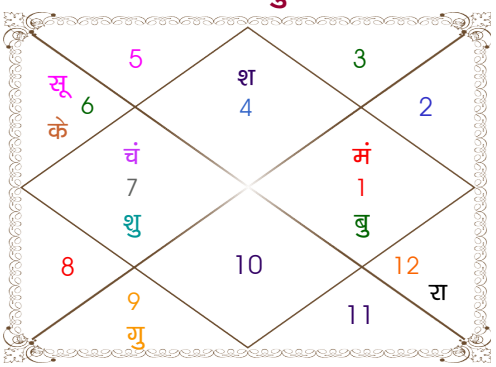

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 1 वर्ष 11 मास 28 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
12/06/1982		10/06/1984		11/06/2002		11/06/2018		11/06/2037	
10/06/1984		11/06/2002		11/06/2018		11/06/2037		11/06/2054	
	00/00/0000	राहु	22/02/1987	गुरु	29/07/2004	शनि	14/06/2021	बुध	07/11/2039
	00/00/0000	गुरु	17/07/1989	शनि	09/02/2007	बुध	22/02/2024	केतु	04/11/2040
	00/00/0000	शनि	23/05/1992	बुध	17/05/2009	केतु	02/04/2025	शुक्र	04/09/2043
	00/00/0000	बुध	11/12/1994	केतु	23/04/2010	शुक्र	01/06/2028	सूर्य	11/07/2044
	00/00/0000	केतु	29/12/1995	शुक्र	22/12/2012	सूर्य	14/05/2029	चंद्र	10/12/2045
	12/06/1982	शुक्र	29/12/1998	सूर्य	10/10/2013	चंद्र	14/12/2030	मंगल	07/12/2046
शुक्र	06/07/1983	सूर्य	23/11/1999	चंद्र	09/02/2015	मंगल	22/01/2032	राहु	26/06/2049
सूर्य	10/11/1983	चंद्र	23/05/2001	मंगल	16/01/2016	राहु	28/11/2034	गुरु	02/10/2051
चंद्र	10/06/1984	मंगल	11/06/2002	राहु	11/06/2018	गुरु	11/06/2037	शनि	11/06/2054

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
11/06/2054		11/06/2061		11/06/2081		11/06/2087		11/06/2097	
11/06/2061		11/06/2081		11/06/2087		11/06/2097		00/00/0000	
केतु	07/11/2054	शुक्र	10/10/2064	सूर्य	28/09/2081	चंद्र	11/04/2088	मंगल	07/11/2097
शुक्र	07/01/2056	सूर्य	10/10/2065	चंद्र	30/03/2082	मंगल	10/11/2088	राहु	25/11/2098
सूर्य	14/05/2056	चंद्र	11/06/2067	मंगल	05/08/2082	राहु	11/05/2090	गुरु	01/11/2099
चंद्र	13/12/2056	मंगल	10/08/2068	राहु	29/06/2083	गुरु	10/09/2091	शनि	11/12/2100
मंगल	11/05/2057	राहु	11/08/2071	गुरु	17/04/2084	शनि	11/04/2093	बुध	08/12/2101
राहु	30/05/2058	गुरु	11/04/2074	शनि	30/03/2085	बुध	10/09/2094	केतु	06/05/2102
गुरु	06/05/2059	शनि	11/06/2077	बुध	03/02/2086	केतु	11/04/2095	शुक्र	13/06/2102
शनि	13/06/2060	बुध	11/04/2080	केतु	11/06/2086	शुक्र	10/12/2096		00/00/0000
बुध	11/06/2061	केतु	11/06/2081	शुक्र	11/06/2087	सूर्य	11/06/2097		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 1 वर्ष 11 मा 23 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मूल नक्षत्र के चतुर्थपाद से धनु लग्न में हुआ था। धनु लग्नोदय के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर आपके जन्मकाल कर्क राशि का नवमांश एवं मेष राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। अपने जन्माकृति एवं जन्म लग्नादि के प्रभाव से आपका जन्म उज्जवल भविष्य का सूचक है। परंतु इस स्वच्छ वातावरण में किञ्जित मात्र कालिमा बिंदु कतिपय अप्रियता की सूचना यह दे रहा है कि यह संभाव्य है कि आपको अपने पिता के साथ सुखदायक क्षणों का अधिक समय तक आनंद प्राप्त न कर सके। तथापि आप अपने पारिवारिक सदस्यों के साथ सदैव व्यवहार में न्यूनता रहे तथा आपकी समझ से अपने बच्चों को अच्छा व्यवहार दें। साथ ही आपकी उन्नति धार्मिक आचरण के प्रति दिलचस्पी लेने से होगी। आप अपने जीवन में धर्म एवं दर्शन के प्रति समर्पित होकर उन्नति प्राप्त करें ऐसा संभाव्य है।

वृश्चिक राशीय गुण एवं प्रभाव के अनुसार आपकी धारण अच्छी रहेगी तथा आपका लक्ष्य भी उच्च स्तर का रहेगा। फलस्वरूप आप अपने लक्ष्य को महत्वपूर्ण ढंग से व्यवस्थित कर सकते हैं। परंतु आप अपने मन की अवधारणा को एकाग्रता पूर्वक सुनिश्चित कर लें कि एक समय एक ही कार्य उद्देश्य को अपना कर कार्यान्वित करें। आप अपनी इस प्रकार की अभिलाषा को विचारपूर्वक दमन करें कि एक ही समय पर अन्य कार्य को संपादित नहीं करें। इसके पश्चात मात्र अपनी अभिलाषित परियोजन से ही संतुष्ट होकर पुनः दूसरे कार्य व्यवसाय को प्रारंभ करने की अभिलाषा रखें। आप अपने अभ्युदय हेतु धार्मिक आयोजन की आकांक्षा रखे।

आपकी अंतिम अभिलाषा मानवीय गुणों से युक्त हैं तथा आप पूर्ण रूपेण इस विषय पर चिन्तनशील रहते हैं। आपके पास अत्यंत धन संपति होगा एवं आप सामाजिक लोकप्रियता का आनंद प्राप्त करेंगे तथा अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु अपने कार्य कलाप से सफलता प्राप्त करेंगे। आप प्रसन्नतापूर्वक भाग्यशाली होंगे। आप क्रीड़ा एवं खेलकूद के अतिरिक्त बाहरी कार्य व्यवसाय के साथ-साथ भ्रमणशील कार्य क्रम के प्रति भी आपके दिल में अनुराग रहेगा। अर्थात् आप दूर-दूर तक भ्रमण करेंगे। आप अपने मित्र मंडली के विस्तार हेतु भी सक्षम हैं। परंतु तब आपके अनेक प्रतिपक्षी भी उत्पन्न हो जाएगें। क्योंकि आप वर्हिमुखी प्रवृति के प्राणी हैं। आप जनसामान्य के मध्य कुछ बातें हवा में करेंगे। इस प्रकार की विचारधारा की लोग निंदा करेंगे तथा इस विषय की प्रतिक्रिया अन्यों के मन में होगी। आप अपने जीवन में तथ्यपूर्ण विषयों पर विश्वसनीयता बनाए रखें। आप कुछ तथ्यों की प्राप्ति हेतु अपने घर में सदैव सत्य वचन बोलें। तब ही आप सभी लोगों से अपेक्षित रहेंगे तथा बहुत लोग आपके आचरण को स्वीकृत करेंगे सभी लोग आप से ऐसी आकांक्षा रखते हैं तथा आपको पुरस्कार एवं सम्मान देना प्रारंभ कर देंगे। इसलिए आप स्पष्ट रूप से अन्यों के साथ प्रेम प्रसांगिक दिलचस्पी न लें। ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप के जीवन के प्रथम भाग्योन्नति की अवधि आपके जीवन के 27 वें एवं 31 वे वर्ष का समय स्वर्णिम काल प्रमाणित होगा। तब से आपका भाग्य अनुकूलता प्रदान करेगा। इस समयावधि में आप धन-संपति का संचय कर धनी बन जाएंगे तथा इस धन को शीत गृह की तरह संचित कर लिए तो आपके जीवन में कभी धन का अभाव नहीं रहेगा।

आपके स्वाभावानुगत, ज्ञान एवं उत्तेजनात्मक व्यवसायों में उत्तम एवं अनुकूल व्यवसाय जेनरालिज्म, पत्रकारिता, वकालत पेशा, राजनीति धार्मिक संस्थाओं से संबंधित अथवा शैक्षणिक संस्थाओं का संचालन आपके लिए उत्तम रहेगा।

यदि आप अपने स्वास्थ्य के संबंध में अनुकूलता बरतते रहे तो आप बहुत अधिक आयु तक स्वस्थ एवं प्रसन्न रहेंगे। तथापि आपको भविष्य में वायु-रोग, गठिया, कफ, ज्वाइन्ट पेन, रक्तचाप आदि रोग से सतर्क रहना उत्तम होगा।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 5, 3, 6 एवं 8 अंक भाग्यशाली है। इसके अतिरिक्त अंक, 2, 7 एवं 9 अंक प्रतिकूल है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन बहुत उत्तम प्रमाणित होगा। शुक्रवार एवं शनिवार का दिन एकदम खराब है।